Jain Engineers Society News

Society Registration No. -IND/5887/2001, dtd 20.02.2002 **For Social Cause**

Year : 8, Edition : 11 Indore, 20 November, 2009 Page : 4 Rs. : 12/- (Yearly)

JES REQUEST: **It shall be the duty of every citizen of India to protect and improve natural environment including Forests, Lakes, Rivers, and wild life and to have compassion of living creatures. Constitution of India Article 51A (G)**

राष्ट्रीय अधिवेशन औरंगाबाद में

जेस का चतुर्थ राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांक २४, २५ एवं २६ जनवरी २०१० को औरंगाबाद के जिमखाना क्लब में होने जा रहा है जिसकी तैयारियां जोर-शोर एवं अति उत्साह से नवगठित औरंगाबाद चेप्टर सदस्यों द्वारा की जा रही है। औरंगाबाद चेप्टर के अध्यक्ष इंजी. राजेश पाटनी ने बताया कि यह अधिवेशन चिरस्मरणीय होगा। बाहर से पधार रहें चेप्टर दंपती सदस्यों हेतू जिमखाना क्लब में ६० कमरों की व्यवस्था की गई है जो प्रथम आवें प्रथम पावें के अंतर्गत दिये जावेंगें एवं इसके अलावा ४० कमरे पास के होटलों में रिज़र्व किये गये हैं। इंजी. पाटनी ने बताया कि तीन दिन के अधिवेशन में अधिक से अधिक दंपती सदस्य भाग लें, इस हेतू बहुत कम रजिस्ट्रेशन फीस रखी है। दिनांक २४ जनवरी रविवार को सभी मेहमान सदस्य सुबह ९ बजे तक औरंगाबाद पहुँचेंगें एवं १० बजे से अधिवेशन की विधिवत् शुरूआत होगी। अतिथिगणों में देश एवं प्रदेश की जानीमानी हस्तियों की उपस्थिति में सत्र का शुभारंभ होगा। इस अधिवेशन का मुख्य विषय ''ग्लोबल वार्मिंग'' रखा गया है जिस पर विशेष चर्चा की जावेगी। भोजन पश्चात द्वितीय सत्र में जेस के सभी चेप्टर्स अध्यक्ष एवं सचिव उनके द्वारा पिछले वर्ष में किये गये कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे एवं अगले वर्ष के कार्यक्रमों की रूपरेखा बतायेंगें। अधिवेशन के पश्चात शाम को सभी मेहमानों के लिये औरंगाबाद भ्रमण का कार्यक्रम रखा गया है। जिसमें बीबी का मकबरा, पवनचक्की, सिद्धार्थ गॉर्डन आदि स्थल होंगे। शाम का भोजन जिमखाना क्लब परिसर में रखा गया है।

दूसरे दिन सोमवार को विश्व प्रसिद्ध एलोरा एवं श्रीकचनेरजी अतिशय क्षेत्र के दर्शन एवं भ्रमण रखा गया है। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन जिमखाना क्लब में रखा गया है जिसमें सभी चेप्टर्स के सदस्य परिवारों की मनमोहक प्रस्तुतियों की प्रतियोगिता रखी गई है एवं प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार दिये जावेंगे।
तीसरे दिन गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में जैन होस्टल में झण्डावन्दन का कार्यक्रम प्रातः ८ बजे रखा गया है। कार्यक्रम के पश्चात जटवाड़ा स्थित मंदिर के दर्शन करते हुये औरंगाबाद से करीब १२० कि.मी. दूर विश्व प्रसिद्ध अजन्ता गुफाओं का अवलोकन रखा गया है। मेहमान सदस्य अपने वापस लौटने के कार्यक्रम अनुसार अजन्ता से निकट के रेल्वे स्टेशनों अथवा औरंगाबाद लौटेंगें।

रजिस्ट्रेशन चेयरमेन इंजी. रूपेश ठोले जैन ने बताया कि प्रति दंपती दो रात्रि, तीन दिन के कार्यक्रम जिसमें अधिवेशन खर्च, खानपान खर्च एवं भ्रमण खर्च करीब ५,८०० रू. होगा, परन्तु चेप्टर दंपती सदस्यों से प्रति परिवार एवं पांच वर्ष के बच्चों तक सिर्फ २५०० रू. ही लिया जा रहा है। पांच वर्ष से बड़े बच्चों के लिये ५०० रू. अतिरिक्त शुल्क रखा गया है। अकेले चेप्टर सदस्य के लिये १२५०रू रजिस्ट्रेशन शुल्क होगा। इसी प्रकार सामान्य सदस्य जो किसी चेप्टर का सदस्य नहीं है, भी भाग ले सकते है एवं उन्हें रजिस्ट्रेशन फीस ४,५०० रू. प्रति दंपती देना होगा एवं अकेले सदस्य के लिये २,२५० रू शुल्क रखा गया है। इसी प्रकार यदि कोई चेप्टर सदस्य अपने साथ किसी मेहमान को जो इंजी. नहीं है लाना चाहते हो तो उन्हे प्रति दंपती ६,००० रू. रजिस्ट्रेशन फीस देनी होगी एवं अकेले सदस्य को ३,००० रू. शुल्क देना होगा।

इंजी. जैन ने बताया कि जनवरी माह विदेशी सैलानियों के कारण अत्यधिक व्यस्त होने से होटल के मिलने में कठिनाई होगी अतः चेप्टर सदस्यों के रजिस्ट्रेशन ३१ दिसम्बर २००९ तक लिये जावेंगें। उसी प्रकार सामान्य इंजी. सदस्य जो चेप्टर मेम्बर नहीं हैं एवं मेहमान जो चेप्टर सदस्यों के साथ आना चाहते हैं उनका रजिस्ट्रेशन १५ दिसम्बर रखा गया है। रजिस्ट्रेशन हेतु फॉर्म जेस वेबसाइट से लिये जा सकते है अथवा सादे कागज पर अपना नाम व पता, फोन एवं सेल नं., सदस्यों के नाम, उम्र, चेप्टर सदस्यता/ साधारण सदस्य/ मेहमान सदस्य लिखकर एवं उपरोक्त रजिस्ट्रेशन शुल्क का चेक या डी.डी., ''जैन इंजीनियर्स सोसायटी औरंगाबाद चेप्टर'' के नाम इंजी. रूपेश ठोले जैन पता-विशाल ट्रेडर्स, वर्धमान कॉम्पलेक्स, जफर गेट स्टील मार्केट, औरंगाबाद, सेल नं. ०९४२२२ ०५१६३ पर प्रेषित करें। साथ ही यदि सुविधा हो तो ई-मेल-tanchemi/मजबीवदण्बवण्पद पर ई-मेल भी कर दें।

औरंगाबाद चेप्टर अध्यक्ष इंजी. राजेश पाटनी ने बताया कि अधिवेशन को सफल बनाने के लिये निम्नलिखित कमेटियां बनाई गई हैं एवं सभी अति उत्साह के साथ अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर रहे हैं। इंजी. पाटनी ने सभी चेप्टर्स के सदस्यों का आव्हान किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनावें।

With best Compliments from :

ITL INDUSTRIES LTD
111, Sector-B, Sanwer Road, Indore, http://www.itlind.com
India's leading Metal Cutting Solution Provider and manufacturer of ERW Tube & Pipes Production Equipments.

RANEKA INDUSTRIES LTD.
Block-14, Sect-3, Pitampur, Dhar, http:/www.raneka.com
We are leading manufacture of cast-steel products for Indian and overseas rail-road Industries.

पानी का मूल्य समझना होगा

उपरोक्त विचार जैन इंजीनियर्स सोसायटी की मासिक सभा में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सिहोरवाला ने व्यक्त किये। खचाखच भरे हॉल में महिलाओं की उपस्थिति देखकर उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि महिलायें आज जाग्रत है और पानी बचाओ आन्दोलन की महत्ता समझती है। उन्होंने बताया कि किस तरह नर्मदा नदी से पानी को जलूद फिल्टर स्टेशन द्वारा ट्रीटमेंट देकर इतनी दूर पानी लाया जा रहा है इसमें लागत से बहुत कम पैसा लिया जा रहा है इसलिए लोग इसका महत्व नहीं समझते है। आज अगर हम पानी के अपव्यय को नहीं रोक पाए तो भविष्य हमें कभी माफ़ नहीं करेगा। डॉ. सिहोरवाला ने कहा कि छोटी-छोटी बातों के जरिये हम पानी को बचा सकते है। जैसे मोटे टॉवेल की जगह पतला उपयोग करें तो उसे धोने के लिए कम पानी लगेगा। शॉवर के बजाय बाल्टी से नहाये। बाथरूम एवं किचन के पानी को गार्डन में डाले। विशेष रूपसे शादी ब्याह में ज्यादा डिशेस बनाने की बजाय लिमिटेड बनाये तो उसे बनाने धोने आदि में पानी कम उपयोग होगा और फिजूल खर्ची भी रूकेगी। साथ ही हम बारिश के पानी को सहेजने का प्रयत्न भी करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जेस फाउण्डेशन के चेयरमेन इंजी. आर. के.जैन (रानेका) ने की। विशेष अतिथि थे पूर्व राजदूत डॉ. एन. पी.जैन। प्रारंभ में चेप्टर अध्यक्ष इंजी. एन.के.जैन ने डॉ. सिहोरवाला का स्वागत किया। इंजी. अशोक धनोते ने डॉ. जैन का स्वागत किया। उपाध्यक्ष इंजी. आदेश जैन ने २४ से २६ जनवरी तक औरंगाबाद में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन की जानकारी दी जिसमें देश भर के ५०० इंजीनियर्स/विशेषज्ञ भाग लेंगे। इंजी. तपन जैन ने नयी प्रकाशित होने वाली निर्देशिका के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के संयोजक थे इंजी. संदीप जटाले, इंजी. राजेश जैन, एवं इंजी. जीतेन्द्र काला। कार्यक्रम का संचालन इंजी. निकेतन सेठी ने किया एवं आभार इंजी. प्रदीप जैन ने माना। कार्यक्रम में विशेष रूप पधारे नर्मदा योजना प्रथम चरण के प्रमुख इंजी. रघुवंशीजी एवं वर्तमान इंचार्ज इंजी. रत्नावतजी का सम्मान किया गया।

□ इंजी.निकेतन सेठी
मानद सचिव, इन्दौर चैप्टर

सेवा संस्कार केन्द्र ट्रस्ट इंदौर द्वारा जनसेवार्थ आयोजित विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं निदान शिविर सम्पन्न

सेवा संस्कार केन्द्र ट्रस्ट द्वारा इंदौर शहर के मध्य क्षेत्र में ४५, माणक चौक, इमली बाजार स्थिति राजरतन चिकित्सालय परिसर में क्षेत्र के अल्प आय वर्ग की सेवार्थ एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ परीक्षण शिविर रविवार दिनांक ४ अक्टूबर २००६ प्रातः ८:३० से दोपहर १२:३० के मध्य आयोजित किया गया। शिविर में शहर के विभिन्न रोगों के ख्यातनाम चिकित्सक विशुद्ध सेवा भाव से अपनी निःशुल्क सेवायें सर्व श्री डॉ. एल. सी. यशलहा व डॉ. मधु जैन (जनरल फिजिशियन), डॉ. ए.एम. गंधे (हृदय रोग, किडनी व डायबिटीज), डॉ. शीतल जैन (पैथालॉजी), डॉ. कैलाश भाटिया (चर्मरोग), डॉ. अनुभा गंगराडे (शिशुरोग), डॉ. देवल मेहता (स्त्रीरोग), डॉ. उपेन्द सोनी (नाक, कान, गला), डॉ. सुधीर कटारिया (केन्सर), डॉ. राजेश पलसीकर (नेत्र रोग), डॉ. नीलम बौरासी (दंत रोग), डॉ. मनोहर सिंह जैन (एक्यूप्रेशर) आदि आदि ने निःस्वार्थ सेवाये दी। २०० से अधिक रोगियों ने शिविर का लाभ लिया।

शिविर में पैथालॉजी, सोनोग्राफी व ई.सी.जी. आदि ५० प्रतिशत रेट पर किये जाने की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई तथा निःशुल्क ब्लड ग्रुप परीक्षण भी किये गये।

शिविर का उद्घाटन सेवा भावी श्री महेन्द्र कुमार मेहता एवं दीप प्रज्वलन श्री आर.के.जैन चेयरमेन - जैन इंजीनियर्स सोसायटी (रानेका इण्डस्ट्रीज़) के करकमलों से हुआ।

सेवा संस्कार केन्द्र ट्रस्ट जनवरी २००५ से मानव सेवा क्षेत्र में जन सहयोग व जैन इंजीनियर्स सोसायटी की सहभागिता से विविध जनकल्याणकारी गतिविधियां संचालित कर रहा है जिनमें हर रविवार को विभिन्न हॉस्पिटलों के जनरल वार्ड्स के रोगियों को मीठा-गर्म दूध, फल, बिस्कुट वितरण, जरूरतमंद रोगियों को आवश्यक दवाईयां, चिकित्सा सहायता व उपयोगी वस्त्र प्रदान करना आदि है। ग्रामीण अल्प आय वर्ग की प्रसूताओं को 'नवजात शिशु संरक्षण किट वितरण' तथा इंदौर जिले की तीन तहसीलों के बारह आदिवासी ग्रामों में 'चलित हॉस्पिटल सेवा' प्रदान कर रहा है। इनके अलावा ट्रस्ट द्वारा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों (इन्दौर, बड़वानी व बावनगजा तीर्थ क्षेत्र) में तीन 'बाह्य रोगी निदान केन्द्र' संचालित किये जा रहे हैं। शिक्षा क्षेत्र में नव पीढ़ी को सुसंस्कारित करने की दृष्टि से एक प्राथमिक विद्यालय भी इंदौर तहसील के ग्राम माचला में संचालित किया जा रहा है।

सेवा संस्कार केन्द्र ट्रस्ट इन्दौर द्वारा आयोजित घरेलू चिकित्सा पद्धति प्रशिक्षण सत्र शुरू

सेवा संस्कार केन्द्र ट्रस्ट इंदौर एवं कस्तूरबा बनवासी कन्या आश्रम ग्राम निवाली जिला बड़वानी के संयुक्त प्रयास से बायोकेमिक चिकित्सा प्रणाली आधारित घरेलू चिकित्सा पद्धति का प्रशिक्षण सत्र ११ अक्टूबर २००६ से आश्रम द्वारा संचालित कन्या विद्यालय में कक्षा ११ वीं एवं १२ वीं की छात्राओं के प्रशिक्षण हेतु प्रारंभ किया गया।

सुदूर आदिवासी ग्रामीण अंचलों में जहां चिकित्सा सुविधायें नहीं पहुंच पाती है, रोगी साधन व अर्थ के अभाव में महंगे उपचार नहीं करा पाते व दुःखी जीवन यापन करते हैं। इस सेवा उपक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षित आदिवासी ग्रामीणों को प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने में सहायक हो सकेगी। क्योंकि यह चिकित्सा पद्धति अति सस्ती, सरल, निरापद व प्रभावी है।

उद्घाटन सत्र में उपस्थित आसपास के क्षेत्रों के अनेक गणमान्य अतिथियों के मध्य विद्यालय की १२०० छात्राओं को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि अरिहंत होम्योपैथिक कॉलेज सेंधवा के प्राचार्य डॉ. सोनी ने इस योजन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुये छात्राओं से निःस्वार्थ व समर्पित सेवा भावना से इस चिकित्सा प्रणाली को अपनाने का आव्हान किया तथा कहा कि वस्तुतः वे संकट ग्रस्त ग्रामीणों के लिये वरदान साबित हो सकती है। समारोह में दीप प्रज्वलन श्री बावनगजा तीर्थ ट्रस्ट के कार्याध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र काला, उपाध्यक्ष श्री जितेन्द्र कुमार जैन, मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. सोनी, प्राचार्य डॉ. पथिक सेन आदि के करकमलों से हुआ व सुश्री कला बहन ने अतिथियों का स्वागत किया व आश्रम की उप संचालिका सुश्री पुष्पा बहन सिन्हा ने आश्रम द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सेवा संस्कार केन्द्र ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री मान सिंह जैन ने ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न सेवा गतिविधियों का परिचय कराया। प्रशिक्षण कोर्स के रचयिता प्रोफेसर सुरेश मन्डलोई एवं

श्री मनोहर सिंह जैन ने कोर्स की विशेषताओं पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. पथिक सेन व बावनगजा तीर्थ क्षेत्र के मैनेजर श्री इन्द्रजीत मन्डलोई ने भी सम्बोधित किया। अतिथियों का आभार श्री राजेन्द्र शर्मा ने माना। इस अवसर पर पूर्व से संचालित प्रायोगिक प्रशिक्षण सत्र में उत्तीर्ण ५१ छात्राओं को सेवा संस्कार केन्द्र ट्रस्ट द्वारा तैयार किये गये चिकित्सा सेवा किट, जिसमें घरेलू चिकित्सा गाइड व १२ मूल दवाईयां सम्मिलित है, अतिथियों के करकमलों द्वारा वितरित कराये गये।

जयपुर चेप्टर की सभा

दिनांक २३ अक्टूबर ०६ शाम को होटल ओम टावर्स में जयपुर चेप्टर की सभा सम्पन्न हुई जिसमें ४३ दम्पत्ति सदस्यों ने भाग लिया। इंजी. विक्रम काला के मंगलाचरण से सभा की शुरुवात हुई। सभा को जेस फाउन्डेशन के महासचिव इंजी. राजेन्द्र सिहं जैन लुहाड़िया ने सम्बोधित किया । आपने विश्व के सबसे बड़े जैन समुदाय के शहर जयपुर के इंजिनियरों का आव्हान किया कि जयपुर चेप्टर सक्रियता के साथ समाज सेवा हेतु आगे आवे एवं विश्व का फ्लेगशिप चेप्टर बने। जेस के विभिन्न चेप्टरो द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा कर बताया कि शिक्षा, चिकित्सा एवं सामान्य जागरुकता के क्षेत्र में कई कार्य करना है जो स्थानीय समाज के लिये अत्यन्त आवश्यक है, साथ ही कई छोटी छोटी संस्थाऐं अपने अपने स्तर पर कार्य कर रही हैं उनकी नेटवर्किंग करके समाज के जरुरतमन्दों तक सूचना पहुचावें जिससे सुविधाओं का लाभ लिया जा सके।

श्री जैन ने जेस का आगामी चतुर्थ राष्ट्रीय अधिवेशन जो २४, २५, २६ जनवरी को औरंगाबाद में होने जा रहा है, कहा कि जयपुर से अधिक से अधिक संख्या में दम्पत्ति सदस्य भाग लें एवं पंचम अधिवेशन जयपुर में करने की तैयारी करें। उपस्थित सदस्यों ने विश्वास दिलाया कि इस बार जयपुर चेप्टर के सदस्यों की विशेष उपस्थिति होगी।

जयपुर चेप्टर के अध्यक्ष इंजी. अखिलेश जैन (ळड ए त्म्स्) ने अपने सम्बोधन में कहा कि चेप्टर स्थापित होने के तीन वर्षों में हम अभी तक सक्रिय नही हो सके हैं, आपने विश्वास दिलाया कि जल्दी ही चेप्टर सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक दम्पत्ति सदस्यों को जोड़ने एवं इसके लिये मार्च २०१० से पहले २ से ३ सभाऐं आयोजित की जावेंगी।

□ इंजी. अनील शाह
सचिव, जयपुर चेप्टर

जीवन सफल सार्थक बने

एक गुरू ने अपने दो शिष्यों की परीक्षा लेने के उद्देश्य से आदेश दिया। अनु! तुम जाओं और संसार की सर्वश्रेष्ठ वस्तु का पता लगाओं, वह जड़ या चेतन कुछ भी हो। गुरू ने दूसरे शिष्य मनु को कहा-मनु! तुम भी जाओ और संसार के निम्नतम-निकृष्ट वस्तु का पता लगाकर लाओ। तुम दोनों को एक वर्ष पूरा दिया जाता है।

एक वर्ष बाद दोनो लौटकर आते है। अनु अपने गुरू को बताता है-''गुरूदेव मैने जड़ चेतन हर वस्तु और प्राणी का शोधात्मक दृष्टि से निरीक्षण किया, परिणामस्वरूप मनुष्य को सर्वश्रेष्ठ पाया। वह पत्थर को भगवान बना देता है और स्वयं भी संयम साधना से नर से नारायण देवत्व और सिद्धत्व को पा लेता है, अतः सर्वश्रेष्ठ है।'' गुरू ने उसे पास करते हुये कहा-''तुम भी इसी तरह पुरूषार्थ से सफल होना।''

अब मनु को बुलाया और पूछा उसने उत्तर दिया-''गुरूदेव मैने हर प्रकार से ऐतिहासिक, पौराणिक और वैज्ञानिक दृष्टि से खोजा सबसे निकृष्ट प्राणी मनुष्य ही है। उसका शरीर अति निकृष्ट और अनुपयोगी है। वह ऐसे नीच कार्य करता है कि सातवें नरक तक चला जाता है। अनगिनत लोगों की व्यर्थ में हिंसा, उत्पीड़न आदि करता है। मरने के बाद भी किसी काम में नहीं आता, जलाना या दफनाना पड़ता है।

गुरू ने उत्तीर्ण करते हुये कहा तुम नर काया से कभी पतन की ओर मत जाना, श्रेष्ठ कार्य कर इतिहास के स्वर्णाक्षर बनना।

संयम, तप और सत्पुरूषार्थ से मानव उत्कृष्टता पाकर जीवन सफल और सार्थक बना सकता है, यही जीवन है।

□ संकलन - रेखा राजेन्द्र जैन

BEWARE AT NIGHT WHEN DRIVING

If you are driving at night and attacked with eggs on your car's windshield , do not operate your wiper or spray any water. Eggs mixed with water become milky and block your vision up to 92.5 %. You are forced to stop at road side and become victim of robbery. This is new technique used by robbers.

□ ***Er Rahul Garvisha Bhuch Jain***
USA

श्रद्धांजलि

जैन धर्म अनादिकालीन धर्म है ''प्रधानं सर्व धर्माणा'' जैन धर्म में रत्नत्रयधारी को प्रमाण माना गया है, उन्हीं रत्नत्रय धर्म के पालन करने वालो में महान एवं प्रमुख आचार्य सम्यक भूषण महाराज हुए है। जैसा कि ज्ञात होता है आप एक महान् तपस्वी वीतरागी एवं निस्पृही आचार्य थे। आपने अपने उपदेशों से उत्तर भारत मै जैन धर्म की महती प्रभावना की थी, एवं श्रावकों को त्याग के मार्ग पर लगाकर इस संसार में डूबते लोगों को धर्म रूपी पतवार बनकर तिराया है, अंत में आपने समाधि पूर्वक शास्त्रोक्त ढंग से अपने नश्वन शरीर का विसर्जन किया। उन प्रातः स्मरणीय विश्वंद्य परम पूज्य चरित्र सम्राट श्री १०८ आचार्य सम्यक भूषण के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

□१०८ मुनि युधिष्ठर सागर

Free Membership of Jain Engineers' Society

For Noble cause join Jain Engineers Society . Get free copy of this news letter every month .All sect of Jain Engineers and Diploma Holders can apply on line at www.jainengineerssociety.com or post your application giving Name, Fathers name, spouse name, DOB, and full local address and permanent address with phone and E mail. You can open local Chapters in your City / Town, contact Secretary General JES Foundation at jainengineers@eth.net or post to 144 Kanchan Bag Indore 452002

CONTACT FOR LOCAL CHAPTERS

INTERNATIONAL FOUNDATION	-	Er. R.K. Jain (President (M) 98260-56128 Er. Rajendra Singh Jain (General Secretary), (M) 98260-75098
INDORE CHAPTER	-	Er. N.K. Jain (President), (M) 9827070556 Er. Niketan Sethi (Hon. Secretary), (M) 09425020429
BHOPAL CHAPTER	-	Er. Sharad Chand Sethi, (President), (M) 9893650291 Er. Sharad Sethi (Hon. Secretary), (M) 9425020429
KOTA CHAPTER	-	Er. Ajay Bakliwal, (President), (M) 09829036056, Er. R.K. Jain (Hon. Secretary), (M) 9414726829
UJJAIN CHAPTER	-	Er. Deepak Jain, (President), (M) 09425050484 Er. Bharat Shah (Hon. Secretary), (M) 9826057049
JAIPUR CHAPTER	-	Er. Akhilesh Jain (President) Ph : 0141-2396283, (M) 98290-53981 Er. R.K. Sethi, (M) 98292-55130
SAGAR CHAPTER	-	Er. Neelesh Jain, (President) Ph : 07582-244901, (M) 9329738680
HARIDWAR CHAPTER	-	Er. Ashok Kumar Jain, (President) Ph : 1334-234856, (M) 09837099348
SANGLI CHAPTER	-	Er. Bhaskar Kognole, (President) Ph : 0233-2320600
KANPUR CHAPTER	-	Er. S.K. Jain, (President) Ph : 0512-2553457, Patron-Shriyut Shripal ji Jain (M) 98395-47676
VIDISHA CHAPTER	-	Er. Anil Jain, (President) Ph : 07592-232295
MUMBAI CHAPTER	-	Er. Lalit Sanghavi (President) (M) 98210-16736
NAGPUR CHAPTER	-	Er. Rajeev Jain (President) (M) 9881741032, 9960085566
DELHI CHAPTER	-	Er. Subhash Jain (President) Ph : 011-24638792(O)
AURANGABAD	-	Er. Rajesh Patney (M) 09370068601, Er. Kamal Pahade- (M) 0997030061
BANGLORE CHEPTER	-	Er. Ajit Jain -099019 48892

JODHPUR CHAPTER
JHANSI CHAPTER

NEW CHAPTERS
GWALIOR CHAPTERS

BHILWARA CHAPTER
AJMER CHAPTER

इस पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों, संकलन एवं विचारों के लिए लेखक/प्रेषक/संकलनकर्ता स्वयं उत्तरदायी है, सम्पादक एवं सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। पत्रव्यवहार के लिए पता– जैन इंजीनियर्स सोसायटी, 7–डायमंड कॉलोनी, अग्रवाल स्टोर्स के पीछे, एम.जी. रोड़, इन्दौर–452 001 (भारत)
फोन: 0731-3241922 E-mail-jainengineers@eth.net, Website- www.jainengineerssociety.com

RNI : MPBIL/2004/13588
डाक पंजी. क्रं आयडीसी/डिवीजन/1130/2007–09

BOOK-POST
PRINTED MATTER

TO,

If undelivered, please return to :
Jain Engineers' Society, 7-Diamond Colony, Behind Agrawal Stores, M.G. Road, Indore - 452 001

Owned & Published by Rajendra Singh Jain From 144, Kanchan Bagh, Indore (M.P.) & Printed by Nirmal Graphics Press, 340, Nayapura, Indore (M.P.)
Editor - Er. Rajendra Singh Jain